अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : चतुर्थ – जैन धर्म मध्यमा (परीक्षा 30 जून, 2013)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	कुल योग
प्राप्तांक							
पूर्णांक	10	10	10	10	24	36	100
पुनः जाँच							

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1=(10)**

(a) ज्ञान के अतिचारों का पाठ है -

(क) इच्छामि ठामि (ख) आगमे तिविहे

(ग) इच्छामि णं भंते (घ) अरिहंतो महदेवो ( )

(b) संवत्सरी महापर्व के दिन कितने लोगस्स का ध्यान करना चाहिए -

(क) 04 (ख) 08

(ग) 12 (घ) 20 ( )

(c) जिससे आत्मा सत् और असत् के ज्ञान से हीन हो जाए, वह कहलाता है -

(क) ज्ञानावरणीय कर्म (ख) वेदनीय कर्म

(ग) अन्तराय कर्म (घ) मोहनीय कर्म ( )

(d) 5 अनुत्तर विमान में जीव कितने उपयोग लेकर जाते हैं -

(क) 03 (ख) 04

(ग) 05 (घ) 08 ( )

(e) प्रत्येक प्रकृति हैं -

(क) उद्योत (ख) प्रत्येक

(ग) शुभ (घ) साधारण ( )

(f) पांच इन्द्रियों के कितने विषय होते हैं -

(क) 12 (ख) 15

(ग) 23 (घ) 240 ( )

(g) आवश्यक सूत्र के कितने अंग हैं -

(क) 02 (ख) 04

(ग) 06 (घ) 11 ( )

(h) 'शब्द करके चेताया हो' कौनसे व्रत का अतिचार है -

(क) 5 वां (ख) 6 ठा

(ग) 8 वां (घ) 10 वां ( )

(i) शान्तिनाथ जी इस अवसर्पिणी काल के कौनसे तीर्थकर हुए -

(क) 14 वें (ख) 15 वें

(ग) 16 वें (घ) 22 वें ( )

(j) वर्षा ऋतु में कितने प्रहर तक गर्म पानी की अचितता रह सकती है -

(क) 02 (ख) 03

(ग) 04 (घ) 05 ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- 10x1=(10)

(a) 15 कर्मादान जो श्रावक-श्राविकाओं के जानने योग्य हैं, किन्तु आचरण करने योग्य नहीं। ( )

(b) आवश्यक सूत्र के 5वें अध्ययन का नाम पच्चक्खाण है। ( )

(c) निक्षेप 7 होते हैं। ( )

(d) स्वयं पच्चक्खाण करें तो वोसिरे-वोसिरे तथा दूसरों को कराने हो तो वोसिरामि-2 बोलें। ( )

(e) वस्तु के सामान्य धर्म को जानना दर्शन कहलाता है। ( )

(f) मोहनीय कर्म की 28 प्रकृतियां होती हैं। ( )

(g) संसारी जीवों के ज्ञान प्राप्ति के साधन को शरीर कहते हैं। ( )

(h) विकृत श्रद्धा के निराकरण के प्रयत्न को शुद्धि कहते हैं। ( )

(i) 'मेरे अन्तर भया प्रकाश' प्रार्थना के रचयिता आचार्य श्री हीरा है। ( )

(j) सूखे हुए मेवे भी अन्दर की गुठली या बीज से रहित होने पर सचित हो जाते हैं। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- 10x1=(10)

(a) मैं 34 अतिशय, 35 वाणी करके विराजमान हूँ। .....

(b) इनको निर्दोष दान देने से सुपात्र दान का लाभ प्राप्त होता है। .....

(c) मेरे पाठ में सुश्रद्धा जगाने एवं उसे सुरक्षित रखने के उपायों का उल्लेख है। .....

(d) मेरे पाठ से सम्यक्त्व (व्यवहार) ग्रहण किया जाता है। .....

(e) मेरा अबाधाकाल नहीं होता। .....

(f) मुझे ग्रहण करने से समुद्र जितना पाप घटकर बूंद के बराबर रह जाता है। .....

(g) महाराज ! एक को मारकर दूसरे को बचाना, यह कहाँ का न्याय व धर्म है? किसने कहा ? .....

(h) मेरी पूर्ण आयु 1 लाख वर्ष की थी। .....

(i) मेरे जीव सम्पूर्ण लोक में ठसाठस भरे हैं। .....

(j) फूंक मारने से किसकी विराधना की सम्भावना बन सकती है। .....

प्र.4 प्रश्न एवं उत्तर दोनों क्रम से नहीं दिये हुए हैं, आप उत्तर की जोड़ी मिलाकर सही उत्तर रिक्त स्थान में लिखिए :- **10x1=(10)**

(a)	लक्खवाणिज्जे	-	गोत्र	.....
(b)	8 सम्पदा	-	कर्मादान	.....
(c)	अतिचार	-	बंध के प्रकार	.....
(d)	संलेखना	-	खीर	.....
(e)	चार	-	उपवास	.....
(f)	2 हजार वर्ष	-	ओघ संज्ञा	.....
(g)	ज्ञानावरणीय कर्म	-	99	.....
(h)	परमान्न	-	शलजम	.....
(i)	अभत्तट्ठ	-	आचार्य	.....
(j)	अनन्त काय	-	तप	.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए :- **12x2=(24)**

(a) **'तस्स सव्वस्स' पाठ का सारांश लिखिए।**

.....

.....

(b) **तीसरे स्थूल के प्रथम दो अतिचार लिखिए।**

.....

.....

(c) **11 अंग कौन-कौनसे हैं ?**

.....

.....

(d) **आचार्य जी महाराज के 36 गुण कौन-कौनसे हैं ?**

.....

.....

(e) **18 पापस्थानों का उल्लेख कीजिए।**

.....

.....

(f) **शरीर ..... परिहारी है, पूर्ण कीजिए।**

.....

.....

(g) **सिद्ध भगवन्त के आठ गुण कौन-कौनसे हैं ?**

.....

.....

(h) **दर्शनावरणीय कर्म की कितनी प्रकृतियां है, नामोल्लेख कीजिए।**

, ...

.....

(i) **नवग्रैवेयक में जीव कितने उपयोग लेकर जाते हैं और वहाँ से कितने उपयोग लेकर निकलते हैं ?**

.....

.....

(j) **लोक और ओघ संज्ञा किस-किस कर्म के क्षयोपशम एवं उदय से उत्पन्न होती हैं ?**

.....

.....

(k) **'नवकारसी' पच्चक्खाण सूत्र लिखिए।**

.....

.....

(l) **अनन्तकाय के कोई 5 भेद लिखिए।**

.....

.....

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर 2-3 वाक्यों में दीजिए :- 12x3=(36)

(a) **इच्छामि णं भंते का पाठ लिखिए।**

.....

.....

.....

(b) **'संलेखना' पाठ का सारांश लिखिए।**

.....

.....

.....

(c) **सिद्धों के कितने भेद हैं ?नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

(d) **मूल सूत्र एवं उपांगों के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

(e) **सामायिक व्रत के कितने अत्तिचार हैं, स्पष्ट कीजिए।**

.....

.....

.....

(f) **श्रावक के दूसरे मनोरथ को स्पष्ट कीजिए।**

.....

.....

.....

(g) **परिग्रह संज्ञा उत्पन्न होने के प्रथम तीन कारण कौन-कौनसे हैं ?**

.....

.....

.....

(h) **भ. शान्तिनाथ की जीवनी से मिलने वाली कोई तीन शिक्षाएँ लिखिए।**

.....

.....

.....

(i) **राजा मेघरथ की देव ने किस प्रकार परीक्षा ली, संक्षिप्त उल्लेख कीजिए।**

.....

.....

.....

(j) **इस जग ..... निवास। पूर्ण कीजिए।**

.....

.....

.....

(k) **मोह मिथ्यात्व ..... आश। पूर्ण कीजिए।**

.....

.....

.....

(l) **बोधि बीज ..... रस बरसाओ। पूर्ण कीजिए।**

.....

.....

.....